

राष्ट्रीय बालिका दविस (NGCD)

चर्चा में क्यों?

भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालने के लिये प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को **राष्ट्रीय बालिका दविस (National Girl Child Day- NGCD)** मनाया जाता है।

- यह दिन लड़कियों के सामने आने वाली असमानताओं के बारे में जागरूकता लाने और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल तथा पोषण में समान अवसरों का समर्थन करने पर केंद्रित है।

मुख्य बडि:

- NGCD की स्थापना वर्ष 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा की गई थी।
 - यह पहल **बाल ववाह** और **लगि आधारति हसिा** सहति लड़कियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को पहचानती है।
- NGCD ने 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई **बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना (Save the Girl Child, Educate the Girl Child)** की उद्घाटन वर्षगाँठ मनाई।

बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना

- परचिय:**
 - यह योजना गरिते **बाल लगि अनुपात (CSR)** और जीवन-चक्र नरितरता में महिला सशक्तीकरण से संबंधति मुद्दों को संबोधति करने के लयि शुरू की गई थी।
 - यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MW&CD), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MH&FW) और शिक्षा मंत्रालय का त्रि-मंत्रालयी प्रयास है।
- मुख्य उद्देश्य:**
 - लगि आधारति चयन पर रोकथाम।
 - बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं के लयि शिक्षा की उचित व्यवस्था तथा उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।
- BBBP के तहत नवोन्वेधी हस्तक्षेप:** जनि नवप्रवर्तनों ने लड़कियों के लयि एक सकारात्मक पारस्थितिकी तंत्र/सक्षम वातावरण तैयार कयिा है, उनमें शामिल हैं:
 - गुडडी-गुडडा बोर्ड:** (सार्वजनिक रूप से जन्म सांख्यिकी का प्रदर्शन (लड़कों की तुलना में जन्म लेने वाली लड़कियों की संख्या)।
 - उदाहरण:** महाराष्ट्र के जलगाँव ज़िले ने डिजिटल गुडडी-गुडडा डसिप्ले बोर्ड स्थापति कयिे हैं।
 - लैंगकि रूढवादिता को तोडना और पुत्र-केंद्रति अनुषठानों को चुनौती देना:** बालिका के जन्म का जश्न मनाना, बालिका के मूल्य पर वशिष दिन समर्पति करना, बालिका के पोषण और देखभाल का प्रतीक वृक्षारोपण अभयान।
 - उदाहरण:** कुड्डालोर (तमलिनाडु), सेल्फी वदि डॉटर्स (जीद ज़िला, हरयिाणा)।